इस्पात उत्पाद, ताप सह ईंटें, अखबारी कागज, पैलेडियम तथा उसके हिस्से पुर्जे और भारत में सोवियत संघ की सहायता से चल रही परियोजनाओं के लिये फालतू पुर्जे तथा संघटक ।

(ग) सोवियत संघ के साथ हस्ताक्षरित व्यापार संलेख के अनुसार, 1973 के दौरान उस देश से लगभग 152 करोड़ रु० मूल्य के माल के आयात किये जाने की सम्भावना है । 1972-73 (अप्रैल-अगस्त) के दौरान सोवियत संघ से किये गये आयातों का मूल्य 38.94 करोड़ रु० है ।

दैनिक प्रवंतिका के बारे में जांच

616. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या **वाणिज्य** मन्त्री 8 दिसम्बर, 1972 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3550 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस बीच "अवंतिका" के बारे में जांच पूरी हो गई है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले;

(ग) क्या सरकार को कुछ संसद् सदस्यों से ऐसी शिकायत प्राप्त हुई है कि दैनिक प्रवंतिका के मालिकों द्वारा अखबारी कागज बेचा गया है; और

(घ) यदि हां, तो शिकायत में किन पार्टियों का उल्लेख किया गया है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) और (घ). जी हां । माननीय सदस्य श्री हुकम चन्द कछवाय, जिन्होंने यह प्रश्न पूछा है, ने स्वयं 1972 में सूचना तथा प्रसारण उपमन्त्री को शिकायत लिखकर भेजी थी । जो जांच की जा रही है, उसके हित में माननीय सदस्य की शिकायत में उल्लिखित अन्य व्यक्तियों के नाम बताना समीचीन नहीं होगा ।

एयर इण्डिया के परिचालन व्यय में वर्ष 1970-71 की तुलना में वर्ष 1971-72 के दौरान हुई वृद्धि

617. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एयर इंडिया के परिचालन व्यय में वित्तीय वर्ष 1970-71 की तुलना में वित्तीय वर्ष 1971-72 में अधिक वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो किस सीमा तक; और

(ग) इससे एयर इंडिया के लाभ अथवा हानि पर क्या प्रभाव पड़ा ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) और (ख). वर्ष 1970-71 की तुलना में वर्ष 1971-72 में एयर इंडिया के परिचालन व्यय में 16.1 की वृद्धि हुई । इस का कारण लागतों में वृद्धि होना है जिसमें ईंधन, तेल, विमानक्षेत्र प्रभार एवं कर्मचारी व्यय सम्मिलित हैं ।

(ग) वर्ष 1970-71 में 4.58 करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 1971-72 में परिचालन लाभ 0.78 करोड़ रुपए था ।

Seizure of Third Party goods by Collectorate of Central Excise Madurai

618. SHRI K. SURYANARAYANA: Will the Minister of FINANCE be pleased to refer to the reply given to USQ No. 5426 on the 22nd December, 1972 regarding seizure of Third Party goods by Collectorate of Central Excise, Madurai and state:

(a) the difficulties which lay in not laying the requisite information on the Table along with the reply; and

(b) whether he would now lay it on the Table?